केन्द्रीय विद्यालय एस वि पि एन पि ए .शिवाराम्पल्ली

हैदराबाद सम्भाग

"संस्कृत – सप्ताह – प्रतिवेदनम्"

केन्द्रीय विद्यालय संगठन का संकल्प गीत है -भारत का स्वर्णिम गौरव केन्द्रीय विद्यालय लाएगा ....इसी का अनुकरण करते हुए संगठन के आदेश के अनुसार संस्कृत – सप्ताह – प्रतियोगिता का परिपालन किया गया |

केन्द्रीय विद्यालय, एस वि पि एन पि ए, शिवाराम्पल्ली में दिनाङ्कः -19/08/2021 से 25/08/2021 तक "संस्कृत सप्ताह" आयोजित किया गया | इसी क्रम में प्रत्येक दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ,

जैसे –

चित्र – निर्माण ,
सद्यस्क-संस्कृत-प्रश्नोत्तरी
श्लोक-गानम्,
कथा-वाचनम्
तथा निबन्ध-प्रतियोगिता |

विद्यालय के शिक्षकों द्वारा "संस्कृत भाषा की महत्ता-उपयोगिता-उपादेयता" को आधार बनाकर अपने विचार प्रकट किए |

संस्कृत-सप्ताह का यथाविधि समापन-कार्यक्रम 25/08/2021 को आनलाईन माध्यम से हर्षोल्लास से मनाया गया |

समापन – कार्यक्रम छात्रों के लिए उत्साहवर्धक व प्रेरणादायक रहा |

प्राचार्यवर्या श्रीमती.डी .संध्या महोदया का संस्कृत में वक्तव्य, कक्षा आठवीं के छात्रों का बाल-नृत्य , संस्कृत-संभाषण, तथा कक्षा आठवीं की छात्रा ' जयन्ती ' का सञ्चालन ,संगीत अध्यापिका श्रीमती रमा महोदया का मधुर स्वर सरस्वती वन्दना ,चरित्र अध्यापिका ,श्रीमती पद्मजा महोदया का संस्कृत भाषण ,संस्कृत की विज्ञान में उपादेयता ,ध्येय वाक्य आदि आकर्षण का केन्द्र बने रहे |

सम्भाग में 'ओणम' पर्व आदि के लिए अवकाश होने के कारण कुछ प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया | google class room व whatsapp पर भी छात्रों की प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गई |

प्रतियोगिताओं का आयोजन दो वर्गों में किया गया – कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग |प्रत्येक प्रतियोगिता में दोनों वर्गों से प्रथम-द्वितीय-तृतीय स्थान दिया गया व प्रमाण पत्र दिए गए साथ ही छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए सभी प्रतिभागियों को 'भाग-ग्रहण' का प्रमाण-पत्र संस्कृत -संवर्धन के लिए प्रदान किया गया |

ऑनलाइन माध्यम से संस्कृत प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के तीन सौ से अधिक छात्रों ने भाग लिया |

संस्कृत – सप्ताह के दौरान निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का सफ़लता पूर्वक आयोजन किया गया -

क्रम संख्या	प्रतियोगिता का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1.	संस्कृत – प्रश्नोत्तरी	230
2.	संस्कृत – श्लोक – गायन-प्रतियोगिता	55
3.	कथा-वाचनम्	40
4.	निबन्ध – प्रतियोगिता	45

प्रतियोगिताओं का वर्गानुसार परिणाम निम्नलिखित है –

<u>कनिष्ठ-वर्ग</u>

क्रम संख्या	प्रतियोगिता का नाम	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1.	प्रश्नमंच	काशिश मालिक सप्तमी ब	एम्.जयंती अष्टमी स	इशान्वी कश्वा सप्तमी स
2.	श्लोक – गायनम्	एम्.जयंती अष्टमी स	जाह्नवी.जी.अष्ठमी –अ	रामचरण – अष्टमी-स
3.	कथा – वाचनम्	वेंनेला –अष्ठमीब-ब-	ईशान्वी .सस्हमी-	महविश – अष्टमी-अ
4.	निबन्ध – प्रतियोगिता	एम्.जयंती अष्टमी स	सप्तमी – अष्ठमी स	जैवन्थ – सप्तमी –ब

<u>वरिष्ठ –वर्ग</u>

क्रम संख्या	प्रतियोगिता का नाम	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1.	प्रश्नमंच	डी.श्रुती. नवमी- ब	भविष्यता.दशमी-अ	मुस्कान शर्मा .नवमी -स
2.	श्लोक – गायनम्	प्रद्युम्ना.नवमी- स	हारिका . दशमी –स	विजयालाहरी. दशमी – ब
3.	कथा – वाचनम्	भविष्यता.दशमी-अ	अद्वैता नवमी – नवमी –ब	मीत शर्मा नवमी –स
4.	निबन्ध – प्रतियोगिता	पि. स्वाति .दशमी-ब	हारिका . दशमी –स	एरिन एल्सा.-दशमीं-ब

संस्कृत भाषा के प्रति छात्रों एवं अध्यापकों की रुचि यह दर्शाती है कि भावी समय में संस्कृत-निष्ठ छात्रों की संख्या में वृद्धि होगी तथा संस्कृत जनभाषा लोक-व्यवहार की भाषा के रूप में आएगी और सभी इस देववाणी को व्यावसायिक शिक्षा के रूप में स्वीकार करेंगे |

विद्यालय के प्राचार्यवर्या श्रीमती.डी .संध्या महोदया, साथी शिक्षकों तथा छात्रों का सहयोग सम्मानीय,प्रशंसनीय तथा प्रेरणीय रहा |

जयतु संस्कृतम् , जयतु भारतम्

समन्वयकः

जे नरसिंहाचार्य:

(संसकृत ध्यापक:)

प्राचार्यवर्या

श्रीमती.डी .संध्या

चित्रावली

K.V.S.V.P.N.P.A SHIVARAMPALLY,HYDERABAD

PRINCIPAL
Mrs. D SANDHYA

प्राचार्य-वार्ता / Principal's Message

संस्कृतं विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा भाषास्ति । संस्कृतभाषाया: प्रभाव: बहु-आधुनिकभारतीयभाषासु अस्ति । संस्कृतदिवसस्य संस्कृत-सप्ताह-समारोहस्य च शुभावसरे कामये यत् अस्या: भाषाया: अधिकाधिक: विकास: स्यात् ।

संस्कृत दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है । संस्कृत ने कई आधुनिक भारतीय भाषाओं को प्रभावित किया है। इस संस्कृत दिवस और संस्कृत सप्ताह समारोह में मैं कामना करता हूं कि यह भाषा अधिक से अधिक फले-फूले ।

Sanskrit is the oldest language in the world. Sanskrit has influenced so many Modern Indian languages. On this Sanskrit Day and Sanskrit Week Celebration I wish that this language may flourish more and more.